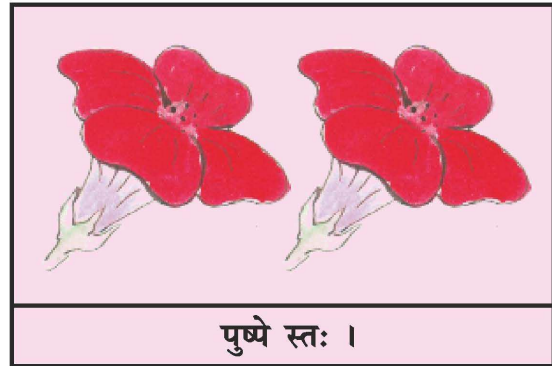
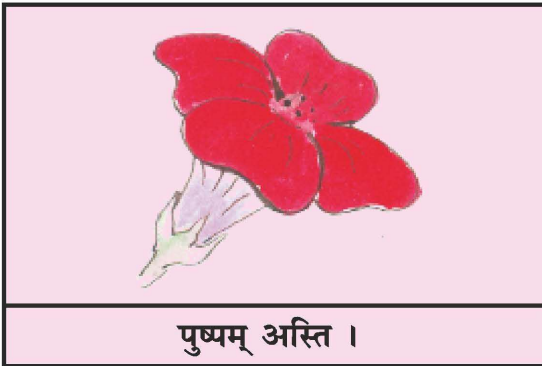
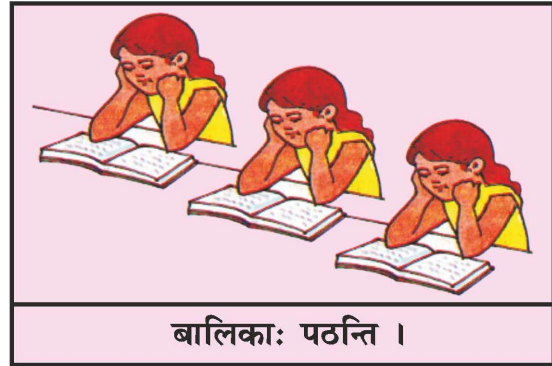
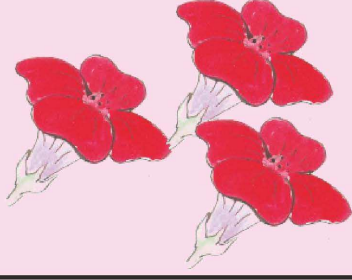


चतुर्थः पाठः

## क्रियापद-परिचयः







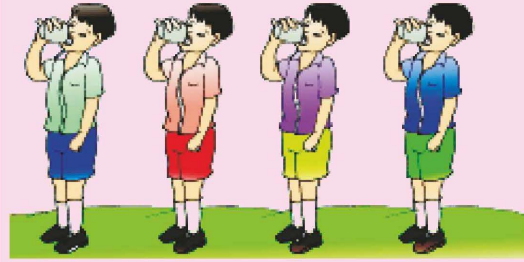
पुष्पाणि सन्ति ।



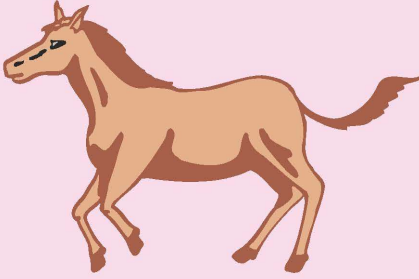
मोहनः विद्यालयम् गच्छति ।



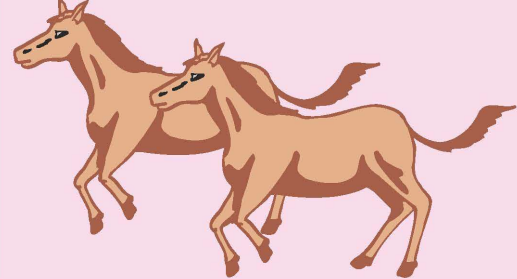
बालिके अत्र आगच्छतः ।



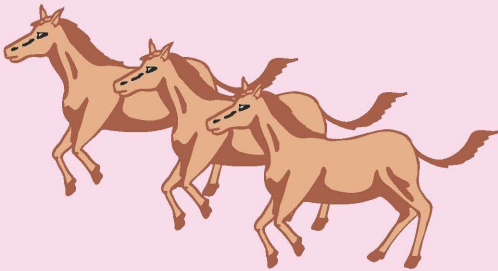
वयम् जलम् पिबामः ।



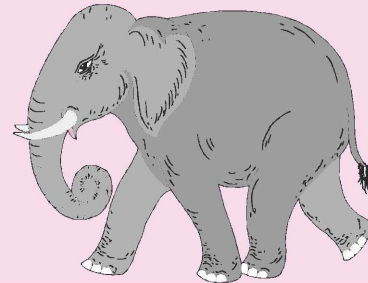
घोटकः धावति ।



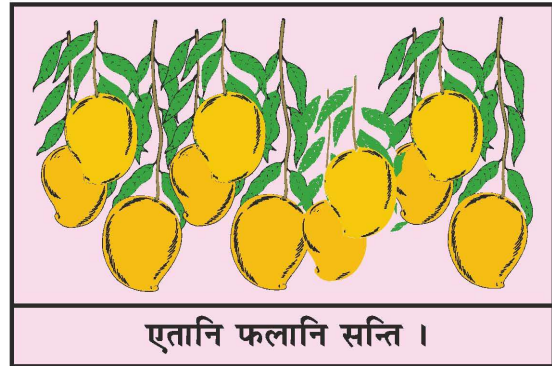
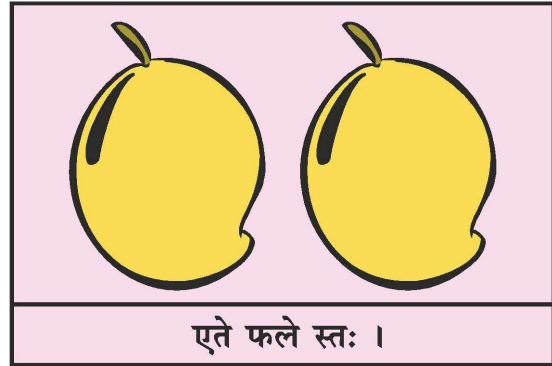
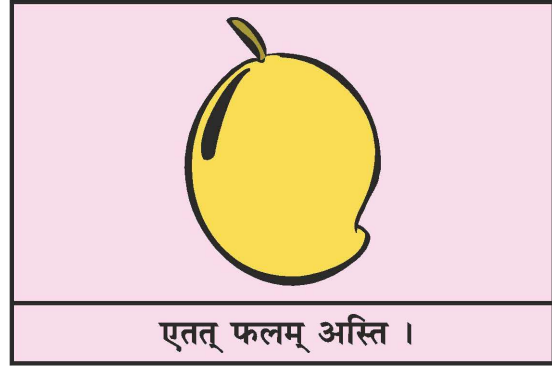
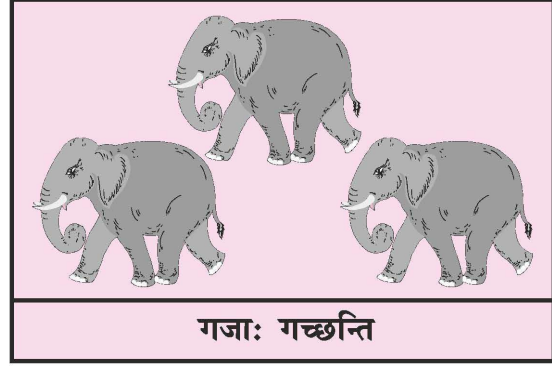
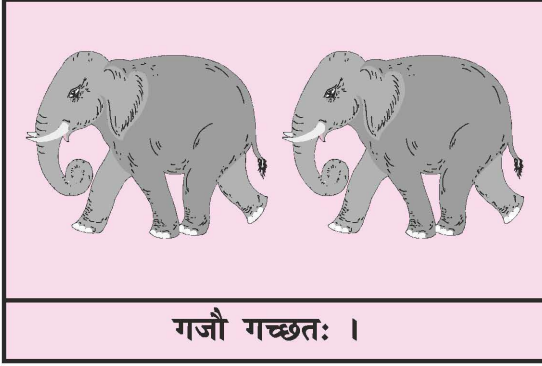
घोटकौ धावतः ।



घोटकाः धावन्ति ।



गजः गच्छति ।



## शब्दार्थः

|          |   |                         |
|----------|---|-------------------------|
| बालकः    | = | लड़का                   |
| बालकौ    | = | दो लड़के                |
| बालकाः   | = | (दो से अधिक) लड़के      |
| त्वम्    | = | तुम                     |
| युवाम्   | = | तुम दोनों               |
| यूयम्    | = | तुम सब / तुम लोग        |
| अहम्     | = | मैं                     |
| आवाम्    | = | हम दोनों                |
| वयम्     | = | हम / हम सब / हमलोग      |
| बालिका   | = | (एक) लड़की              |
| बालिके   | = | दो लड़कियाँ             |
| बालिकाः  | = | (दो से अधिक) लड़कियाँ   |
| पुष्पम्  | = | (एक) फूल                |
| पुष्पे   | = | (दो) फूल                |
| पुष्पाणि | = | (अनेक) फूल              |
| धावति    | = | (एक) दौड़ता है          |
| धावतः    | = | (दो) दौड़ते हैं         |
| धावन्ति  | = | (अनेक) दौड़ते हैं       |
| हससि     | = | (तुम) हँसते हो          |
| हसथः     | = | (तुम दोनों) हँसते हो    |
| हसथ      | = | (तुम सब / लोग) हँसते हो |
| पठामि    | = | पढ़ता / पढ़ती हूँ       |
| पठावः    | = | (हम दोनों) पढ़ते हैं    |
| पठामः    | = | (हम सब) पढ़ते हैं       |
| लिखति    | = | लिखता है                |



|         |   |            |
|---------|---|------------|
| अस्ति   | = | है         |
| स्तः    | = | (दो) हैं   |
| सन्ति   | = | हैं        |
| घोटकः   | = | घोड़ा      |
| गजः     | = | हाथी       |
| एतत्    | = | यह         |
| एते     | = | ये दो      |
| एतानि   | = | ये / ये सब |
| आगच्छति | = | आता है     |

**पुरुष**—संस्कृत क्रियारूपों के प्रसंग में 'पुरुष' की चर्चा होती है। सभी क्रियारूप (धातुरूप) पुरुष और वचन के अनुसार पृथक्-पृथक् होते हैं। तीन पुरुष और तीन वचन से विभक्त होने के कारण प्रत्येक काल (लकार) में नौ-नौ रूप होते हैं।

पुरुष का अर्थ है वक्ता, श्रोता या चर्चित व्यक्ति। वक्ता को उत्तम पुरुष (अहम्, आवाम्, वयम्), श्रोता को मध्यम पुरुष (त्वम्, युवाम्, यूयम्) तथा चर्चित व्यक्ति को प्रथम पुरुष (सः, तौ, ते, अयम्, इमौ, इमे) कहते हैं। पुरुष और वचन का प्रभाव धातुरूपों पर पड़ता है। इसलिए पुरुष-विशेष और वचन-विशेष के कारण क्रियापदों में भेद होता है। नीचे के उदाहरणों में देखें—

|                    | एकवचन                         | द्विवचन                            | बहुवचन                         |
|--------------------|-------------------------------|------------------------------------|--------------------------------|
| <b>प्रथम पुरुष</b> | सः पठति<br>(वह पढ़ता है)      | तौ पठतः<br>(वे दोनों पढ़ते हैं)    | ते पठन्ति<br>(वे सब पढ़ते हैं) |
| <b>मध्यम पुरुष</b> | त्वम् पठसि<br>(तुम पढ़ते हो)  | युवाम् पठथः<br>(तुमदोनों पढ़ते हो) | यूयम् पठथ<br>(तुमसब पढ़ते हो)  |
| <b>उत्तम पुरुष</b> | अहम् पठामि<br>(मैं पढ़ता हूँ) | आवाम् पठावः<br>(हमदोनों पढ़ते हैं) | वयम् पठामः<br>(हमसब पढ़ते हैं) |

**विशेष**—संस्कृत क्रियापदों का प्रयोग सभी लिंगों के लिए एकसमान होता है। इसलिए लड़की के पढ़ने के विषय में भी - सा पठति, त्वम् पठसि (तुम पढ़ती हो), अहम् पठामि (मैं पढ़ती हूँ) इत्यादि प्रयोग होते हैं।

## अभ्यासः

### मौखिकः

#### 1. उच्चारण करें :-

|     |         |         |           |
|-----|---------|---------|-----------|
| (क) | गच्छति  | गच्छतः  | गच्छन्ति  |
|     | पठति    | पठतः    | पठन्ति    |
|     | लिखति   | लिखतः   | लिखन्ति   |
|     | चलति    | चलतः    | चलन्ति    |
|     | नृत्यति | नृत्यतः | नृत्यन्ति |
| (ख) | अश्वः   | अश्वौ   | अश्वाः    |
|     | मयूरः   | मयूरौ   | मयूराः    |
|     | शिक्षकः | शिक्षकौ | शिक्षकाः  |
|     | पाठकः   | पाठकौ   | पाठकाः    |
|     | नर्तकः  | नर्तकौ  | नर्तकाः   |

### लिखितः

#### 2. रिक्त स्थानों की पूर्ति करें :-

|      |         |        |        |
|------|---------|--------|--------|
| (i)  | पठसि    | पठथः   | पठथ    |
| (क)  | .....   | लिखथः  | .....  |
| (ख)  | गच्छसि  | .....  | .....  |
| (ग)  | .....   | हसथः   | .....  |
| (घ)  | क्रीडसि | .....  | .....  |
| (ii) | खादामि  | खादावः | खादामः |
| (क)  | चलामि   | .....  | .....  |
| (ख)  | वदामि   | .....  | .....  |
| (ग)  | .....   | .....  | पिबामः |
| (घ)  | .....   | हसावः  | .....  |

3. सही मिलान करें :-

|              |               |
|--------------|---------------|
| (i) अहम्     | (क) खादथ      |
| (ii) बालकः   | (ख) खेलामः    |
| (iii) यूयम्  | (ग) पिबन्ति   |
| (iv) बालिकाः | (घ) कूर्दन्ति |
| (v) वयम्     | (ङ.) खादसि    |
| (vi) त्वम्   | (च) लिखामि    |
| (vii) गजाः   | (छ) गच्छति    |

4. इन क्रियापदों से वाक्य बनाएँ :-

|       |        |          |
|-------|--------|----------|
| पठामि | लिखसि  | गच्छन्ति |
| हसामः | आगच्छथ | खादावः   |

5. उचित शब्द से खाली जगहों को भरें :-

त्वम्, अहम्, बालिका, वयम्, यूयम्

|      |       |           |
|------|-------|-----------|
| (क)  | ..... | क्रीडति । |
| (ख)  | ..... | पठामः ।   |
| (ग)  | ..... | पिबसि ।   |
| (घ)  | ..... | वदामि ।   |
| (ङ.) | ..... | गच्छथ ।   |

6. रिक्त स्थानों में 'अस्ति, स्तः, सन्ति' में से उचित क्रियापद भरें :-

यथा- एकम् पुस्तकम् अस्ति ।

- (क) द्वे पुस्तके ..... ।  
(ख) त्रीणि पुस्तकानि ..... ।  
(ग) एका बालिका ..... ।



- (घ) द्वे बालिके ..... ।  
 (ङ) तिस्रः बालिकाः ..... ।  
 (च) पञ्च फलानि ..... ।  
 (छ) द्वौ हस्तौ ..... ।

7. वर्णों को संयोजित करके शब्द लिखें :-

(i) यथा - म् + अ + न् + ओ + ह् + अ + र् + अः

मनोहरः

(क) स् + अ + ज् + ज् + अ + य् + अः

(ख) म् + अ + न् + त् + र् + ई

(ग) क् + आ + र् + य् + अ + क् + र् + अ + म् + अः

(घ) द् + ए + व् + ए + न् + द् + र् + अः

(ii) अपने पाँच मित्रों के नाम के वर्णों को अलग-अलग करें ।

8. निम्नलिखित वाक्यों को बहुवचन में बदलें :-

उदाहरण सः पठति ।

ते पठन्ति ।

(क) बालकः धावति ।

..... ।

(ख) पुष्पम् पतति ।

..... ।

(ग) बालिका वदति ।

..... ।

(घ) मृगः चरति ।

..... ।

(ङ) खगः उत्पतति ।

..... ।

